कृषि विज्ञान केंद्र, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के 95वे स्थापना दिवस पर कृषि प्रौद्योगिकियों प्रदर्शन का आयोजन

आज दिनांक १६ जुलाई २०२३ को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के 95 वे स्थापना दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, आई.वी.आरआई द्वारा किसान गोष्ठी एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बी. पी. सिंह ने अपने संबोधन मे कृषको को भारतीय कृषि में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का अथक योगदान है इसके द्वारा कृषको के लिए कई कृषि तकनीक विकसित की हैं। जिनकों अपनाकर किसान अपने खेतो की उत्पादकता और आय को बढ़ा सकते हैं।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों ने किसानों के खेत में प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण हेतु फसल विज्ञान, बागवानी विज्ञान, पशु विज्ञान, मत्स्य विज्ञान और गृह विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। किसानों ने कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के साथ बातचीत की और कृषि और कृषि से संबन्धित विभिन्न विषयो उपलब्ध नवीनतम तकनीकयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में श्री. रंजीत सिंह ने सब्जी और फलों की फसल से संबंधित विभिन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की। श्री. आर.एल. सागर ने

किसानों को मशीनीकरण के साथ-साथ अपशिष्ट डीकंपोजर के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपलब्ध विभिन्न तकनीकों के बारे में सलाह दी। श्रीमती वाणी यादव ने बताया कि किसान प्राकृतिक खेती की तकनीक अपनाकर कृषि लागत में कमी लाकर अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं।

समापन सत्र में डॉ. बी.पी. सिंह ने किसानों को कृषि और कृषि से संबन्धित प्रौद्योगिकीयों पर नवीनतम जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों से परामर्श लेने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में कृषको ने माननीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण विभाग आदरणीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी. का संबोधन भी सुना। इस कार्यक्रम में कुल 24 किसानों और कृषि विज्ञान केंद्र के कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की।